डॉ. राजकुमार उपाध्याय, आई.टी.एस.
पीएच.डी (आईआईएमबी), एमबीए (आईआईएमबी), एम.टेक (आईआईटी–आर)
कार्यकारी निदेशक
DR. RAJKUMAR UPADHYAY, I.T.S.
Ph.D (IIMB), MBA (IIMB), M.Tech (IIT-R)
EXECUTIVE DIRECTOR

सी-डॉट
C-DOT

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स
भारत सरकार का दूरसंचार प्रौद्योगिकी केन्द्र
Centre for Development of Telematics
Telecom Technology Centre of Govt. of India

संदेश

सी-डॉट में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020 तक किया जा रहा है। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने इस सतर्कता जागरूकता अवधि के लिए "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" की थीम रखने का निर्देश दिया है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा के महत्व और "भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त न करने यानी जीरो टॉलरेंस" की नीति के प्रति वचनबद्धता पर जोर देता है।

भ्रष्टाचार हमारी सामाजिक-आर्थिक संरचना की बुनियाद तक के लिए ख़तरा है। सतर्कता के बारे में आधारभूत जागरूकता, भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए एक शक्तिशाली हथियार है, जो भ्रष्टाचार को पनपाने में सहयोगी कारणों और कारकों पर सीधे प्रहार करता है। संगठनों में सतर्कता की भूमिका मूल रूप से कर्मचारियों को अपने प्रशासनिक / प्रबंधकीय दायित्वों के निर्वहन में हितकारी और नैतिक तौर-तरीके अपनाने के लिए सचेत करने की है। सी-डॉट में इस तरह के आयोजन सतर्कता के बारे में जागरूकता लाने और निवारक उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने का एक तरीका है, ताकि संगठन में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा, समय पर प्रतिक्रिया, निष्पक्षता और जवाबदेही का निर्माण हो।

वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग ही प्रौद्योगिकी है और इसका एकमात्र प्रयोजन है - प्रगति करना। केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने संगठनों को पारदर्शिता लाने और काम की गति में तेज़ी लाने के लिए ई-प्रोक्योरमेंट, ई-टेंडरिंग, ई-पेमेंट जैसी तकनीक के इस्तेमाल के साथ सुशासन और सतर्क प्रशासन को बढ़ावा देने पर बल दिया है। सी-डॉट एक सुस्थापित अनुसन्धान और विकास संगठन है और इससे यह अपेक्षा भी है कि वह सीवीसी की सलाह के अनुसार

सी-डॉट
C-DOT

पारदर्शिता और जवाबदेही लागू करने के लिए सभी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करे और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाये। ऐसा करना वर्तमान समय में और भी अधिक महत्वपूर्ण है, जब हमारा देश एक अभूतपूर्व संकट के दौर से गुज़र रहा है।

इस अवसर पर, आइये हम अपने कार्य और कर्तव्यों के लिए सतर्क और जवाबदेह रहते हुए संगठन के विकास में योगदान दें। मुझे यकीन है कि कड़ी मेहनत, ईमानदार प्रयासों और सार्थक सहयोग से हम न केवल दूरसंचार अनुसन्धान और विकास के क्षेत्र में बड़ी सफलता अर्जित करेंगे, बल्कि सतर्क सी-डॉट के रूप में भी ख्याति प्राप्त करेंगे।

राजकुमार उपाध्याय

(डॉ. राजकुमार उपाध्याय)
कार्यकारी निदेशक